ঞা প্রি'র্মে' ব০বৎ মেনি'নিধানিবার্মিরামের'উন্বেল্লীর'নিজ্বানির ধাননি । অন্'মন্ত্রমার্নীন্'রি'র্মীন

ही तों ४०४८ हैं। ए केंबा १८ हेवा

नुश्राधुन कुःर्कें न श्र

ब्रिंच.यर्ड्स्स्यायम्.क्ष १००

गो र्गे क्या अन्य अन्य १०%

र्वेद्राचार्यायायायायायाची न्याया क्षेत्राच्या स्था १८४ = १०

- १। वॅरिको निर्देर् प्राय्देवि वर वर्षे वे वा नेवि क्रें रावा स्वार्थ वर्षा वासा
- १ र्वेट्-भ्री-भ्रम्-१३८० स्ट्रास्य हि-स्ट्र-गासुन्य वर्षा वासा
- भ वेंद्र-देवायार्क्षयाञ्चद्रपिवात्याञ्चद्रायोद्दर्येद्र-विद्राचा वाया

- वॅन-न्-क्र-क्रे-धेश-वॅन-भून-हे क्रू-क्रियश-तुन-तार्केट-व-तार्थ्यश्राप्त-वार्थाः
- ५ वॅर्म्यश्यान्ट्रिं र्नुस्यश्यास्य सेर्क्षिमान्द्रम्युक्षिमाञ्चर्ते सुराय्द्रित् ग्रीस्

বে বহাৰ্শ্বিদ্দেদ্দ্ৰ্যাথীন 15%

1) বৃহষ্ট্র্যু ५x१'५=2'५

- १। डे बिना याय दें दाने स्व स्व मार्कें मार्थे मार मार मार मार्थे दा
- १। भ्रूमा नरुरु। त्या अपना अर्थ न विष्य के निष्य निष्य निष्य में स्थान के साम के अपने किया
- य वर्षेयाञ्चादरा होताञ्चवी द्वीय पर्वे मार्थेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया
- श्रृंत्रत्व्यानी अन्तर्मानु अअर्थे द्रश्यान्त्र । द्र्रे अर्थे नित्रमान्य व्यक्ति । स्थित विकास । स्थित । स्थित
- ५। वु:क्वेना:परेनश:५८:। पर्हेन परोद्यानाशुर्य:पाशुर्य:शुर्य:क्वेना:५८:नठश:य:ब्रेश

মর্ন্দ্রমা	<u> </u>	ন্দ্ৰ-মা	शुव्य केंग

2) ব্দাত্মিদা

१**) कॅरन्डॅश** (ब्रन्नर्र्न्वाक) 🗢

र्या भूरिया पर्दे म्वर्या स्था व्या व्या विषय स्था विषय स्या विषय स्था विषय

२ निन्धः क्री क्रीटः क्रिनाः क्रुव्याः क्रिनाः क्रीनाः क्रीनाः वित्याः वित

स्ना न्या हैं ते न्या हैं न स्वा हैं न स्व हैं न स्वा हैं न स्व हैं न स्वा हैं न स्वा हैं न स्वा हैं न स्व हैं न स्वा हैं न स्व हैं

ব ক্রুমান্দ্রবার্ক্তর্মান্দ্রনা 15%

1) दे नदेश यद्य ५×१=१०

- वेंद्रा शे नवंदर्भे देश हैंद्रा यश हूंद्र शे हो न पाहिश पाद दूर पाद पेदा दश
- श र्नेर.क्री.वट.क्रून.क्रिय.स्.वट.वी.श्रेचन्न.श्र.ट्र-क्रिन.श्र.न्रह्नेन.श्र.नह
- भ र्वेन र्शेनान्त्र अर्केन र्थेन श्री प्रत्रेत्य न प्रत्नेत्र भाषान्त ने शुर्धित त्या
- र्वेन् ग्री मार्नेन् सदे र्के अ खुम् अ मार प्येत सन्दर्ग ने दे रे सूँत स शु प्येत स्था

2) व्यतः वर्षे वासः वर्षे स्र १ (५×१=५)

१ कुषानः रेत्रार्धे के भुष्वहर्यामंदे वे ते।

ग है कें १६३५ विहे कें १६३५ न है कें १६५६ टा है कें १६३५

य व्रेट् में वट के सन्तु नहें समित्र भून सम्मे नह के वे

ग र्शेट्यव्यस्थारी विश्वीत्रायव्यसी न क्षेत्रें र्श्वाव्ययव्यसी हा स्ट्रिय्य

भ मूर्यार्थरायात्रस्याः सूर्याः सार्यः योशास्याय्यः स्री

ग कुषानामी पर्त्राम्

मि मिलायाक्रमार्यरमामि

ฦ ฿๛๛๛฿๛๛ฃ๛๛

८। क्रियानाश्चनानश्चनाकुरासर्वे।

<। ब्रे.ब्रेट.बटबाक्य.क्य.क्य.क्यं.ब्री

ग अःभुःभूनअःग्रेःश्वेःश्वेदःधेत

मि स्याः शुः भूनशः शुः श्रेः श्रेनः धेत

या न्यायः स्वरं स्वरः स्नूनशः शुः श्रेन् धिता

५। व्योद्रास्य सक्ष्मा नी साबी सन्देश माने दसा हमा साम बिसा सि हो।

ग ही कीं १८५८ धीवा

मि ही.क्. १६१६ लुबी

म ही कें. ४००० धेता

८। ही कें ४०१३ धेवा

ক্লুব স্থ্রিদ থীবা নিদাবা (বাদারদারীৰ) 10%

सर्हेर्-र्स्स्तर्र्स्स्तर्र्स्तर्त्तु,यदुरस्वरति,त्तु,त्त्र्या, त्वेया,यर्त्ते वास्त्रा वास्त्र वास्त्रा वास्त्र वास्त

₹অথিগ 20% তা

नगपदित के नदे भी धराता दि न भेग अध्या वे अपाय अध्या वे अपाय अस्ति न वि वार मुहार्से वाहि न वे दि न

यदे कें अप्येग केया देश

क। श्वेरप्रहरमेशन 10% (५x१=१०)

- १। नर्द्र र्चेत्य र्नेद्र सेदेर ने रार्धेद्र र्चेना प्रमाद नि रास्त्र स्त्री प्रारा सिद्या ने पाद प्रमाद स्त्री
- व नड्न र्जेल में न से ते से न मार्चित स्वाप्त मार्चित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्व
- भ निर्धे सम्मार्के नुष्यक्षेत्र भेम्यामार्के निर्देशका
- 🔪 नडंदर्'र्जेल'र्नेट्'सेदे'वर्कें'हेद'ग्रेडें'र्ने'ने'पार'पेद'दस्य
- ५। वर्गेरःश्रास्ट्रेन्'र्झन्यासुं कुलासेनश्रास्ते कुलामनाने नाराधितात्रमा

ह्। वानुबाग्री अव केवा वर्ते में प्रवासिक वर्ष मानुबाग्री वर्ष १८०%

Our family was large, for I have two sisters and four brothers-and we are widely spread out in age. My mother gave birth to sixteen children, but nine of them died when they were very young. The whole family was linked together by the strongest bonds of love and kindness. My father himself was a very kind- hearted man. He was rather short-tempered too, but his anger never lasted long. He was not very tall or strong, and he was not highly educated, but he had natural cleverness and intelligence. He was especially fond of horses and used to ride a great deal, and he had a talent for choosing good horses and for healing them when they were sick. My mother is a kind and loving person. She feels for everyone; she will gladly give her own meal to a hungry person, and go hungry herself. Yet although she is so gentle, she always ruled the family. She is also adaptable and farsighted, so that after my installation had opened up new possibilities for us, she made it her special duty to see that her other children, were properly educated.

বিশানিপ্ৰসূথী